chayati Raj and Co-operation (Shri B. S. Murthy)**: (a) No, Sir. I may add for information that the Programme Evaluation Organisation of the Planning Commission had selected nine Panchayats satisfying certain tests for case studies. Their observations with regard to the influence of castes in the structure and functioning of Panchayats are listed out in the attached statement laid on the Table. [*See* Appendix II, annexure No. 95]. It may be observed that the study has been more a factual one than an attempt to draw conclusions.

(b) and (c). Do not arise.

Tindivanana Railway Station

1710. Shri Reddiar: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether the platform of Tindivanana railway station, Southern Railway meter-gauge is not long enough to berth the express and long distance trains and that 3 bogies stay outside the platform causing great inconvenience to passengers who desire to get in or get down;

(b) whether express trains arrive there during nights and halt for two minutes only;

(c) whether this fact was brought to the notice of the General Manager, Chief Engineer and other heads of departments during their inspection tour at the end of 1957 or beginning of 1958; and

(d) whether early steps would be taken to lengthen the platform?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) to (c). Yes, Sir.

(d) Yes. The proposal has since been finalised and the work will be taken up soon.

Tons Project in M.P.

1711. Shri Vidya Charan Shukla: Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether detailed survey of Tons Project in Madhya Pradesh was ordered recently;

(b) if so, the progress of this survey; and

(c) if the reply to part (a) be in the negative the time by which a decision is likely to be taken in this regard?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Alagesan): (a) The Survey is already in hand since October-November, 1960.

(b) The following survey works have been completed:

(1) Reconnaissance investigations and detailed survey for the dam alignment;

(2) Survey of reservoir area;

(3) Contour survey of Naina Nala;

(4) Contour survey of commanded area;

(5) Survey of power channel;

(6) Property surveys;

(7) Site survey for power house.

Geological investigations, drilling, etc., and hydro-meteorological observations are in progress.

(c) Does not arise.

दिल्ली में परिचारिकायें (नर्सें)

१७१२. श्री बाल्मीकी : क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में पिछले ५ वर्ष में कितनी नर्सों के प्रशिक्षण के लिये उपयुक्त प्रबन्ध किया गया ;

(ख) उनके वेतन-क्रम को उपयुक्त रूप से निर्धारित करने के लिये क्या प्रयत्न किये गये ; और

(ग) उनके आवास की समस्या को हल करने के लिये क्या किया गया है ?

स्वास्थ्य मन्त्रालय में उप-स्वास्थ्य मन्त्री (डा० डी० एस० राजू) : (क) दिल्ली में

पिछले पांच वर्षों में विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षणाधीन छात्रों की संख्या इस प्रकार रही :—

१९५७	४५४
१९५८	४४३
१९५९	४४५
१९६०	५०८
१९६१ . .	५६१

(ख) वेतन आयोग की सिफारिशों के क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप दिल्ली में नर्सिंगस्टाफ के वेतन-क्रमों में पर्याप्त एक-रूपता आई है ।

(ग) विलिंगडन अस्पताल में आवासिक स्थान की कोई कमी नहीं है । लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज अस्पताल में नर्सों के लिये जून, १९६२ के अन्त तक एक नया होस्टल तैयार हो जायेगा । सफदरजंग अस्पताल में छात्र-नर्सों के लिये एक होस्टल बनाने का विचार है ।

रासायनिक उर्वरक

१७१३. श्री बाल्मीकी : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रासायनिक उर्वरकों में आत्म-निर्भरता लाने के लिये क्या प्रयत्न चल रहे हैं;

(ख) पिछले तीन वर्षों में कितनी मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का उत्पादन किया गया; और

(ग) उक्त कालावधि में उस की कितनी खपत हुई ?

खाद्य और कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) नाइट्रोजन पूरक उर्वरक :

१० लाख टोन्स के प्रत्याशित मांग को पूरा करने के लिए तीसरी योजना के अन्त तक नाइट्रोजन के १० लाख टोन्स से अधिक की क्षमता स्थापित करने के लिए निजी और लोक खण्डों में उर्वरक प्लान्टों के स्थापना के लिए कई परियोजनाओं को लाइसेंस दे दिये गये हैं या स्वीकार कर ली गयी हैं । वे पूरे होने के विभिन्न स्तरों पर हैं लेकिन १९६५-६६ तक वास्तविक उत्पादन साढ़े छः लाख टोन्स से अधिक होने की आशा है । चौथी योजना के दौरान में देश के आत्म निर्भर होने की आशा है ।

फास्फोरस पूरक उर्वरक

मांग को पूरा करने के लिए वर्तमान उत्पादन पर्याप्त है । तीसरी योजना काल में मांग को पूरा करने के लिए लाइसेन्स दी गई क्षमता पर्याप्त होगी ।

पोटास पूरक उर्वरक

देश में सामुद्रिक संसाधनों से पोटास के उत्पादन के लिए कुछ पाइलट परियोजनायें विचाराधीन हैं, लेकिन व्यापारिक पैमाने पर सफलता पूर्वक लाभ प्राप्त करने के लिए उनको तैयार करने में कुछ समय लगेगा ।

(ख) और (ग)

(आंकड़े टोन्स में)

प्लान्ट	देशी उत्पादन			खपत		
न्यूट्रीएन्ट	१९५९-६०	६०-६१	६१-६२	१९५९-६०	६०-६१	६१-६२
नाइट्रोजन (एन) .	८०७४१	९४८००	१४००४७	१७४४८५	२०३०३५*	२८१४२८*
फोस्फोरस (पी २ ओ५)	४६९९९	५२९६८	६६३२३७	४७५५३	४९४०४	५९५००
पोटासिक (के२ ओ)	नहीं के बराबर			१८०००†	२६०००†	उ०न०

* केन्द्रीय उर्वरक निकाय से वास्तविक सम्भरण, जिसमें दोनों देशी और आयात किये उर्वरकें शामिल हैं ।

† लगभग

उ०न० उपलब्ध नहीं ।